छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

परास्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम के प्रश्नपत्रों का वर्गीकरण

एम०ए० पूर्वार्द्ध

प्रश्नपत्र		प्रश्न पत्र का शीर्षक	पूर्णांक
प्रथम प्रश्न पत्र	–	प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य	100
द्वितीय प्रश्न पत्र	–	भाषा विज्ञान एव हिन्दी भाषा	100
तृतीय प्रश्न पत्र	–	आधुनिक गद्य साहित्य	100
चतुर्थ प्रश्न पत्र	–	हिन्दी साहित्य का इतिहास	100
पंचम प्रश्न पत्र	–	भारतीय साहित्य	100
			योग 500

एम०ए० उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र		प्रश्न पत्र का शीर्षक	पूर्णांक
प्रथम प्रश्न पत्र	–	आधुनिक हिन्दी काव्य	100
द्वितीय प्रश्न पत्र	–	काव्य शास्त्र एव साहित्यालोचन	100
तृतीय प्रश्न पत्र	–	प्रयोजनमूलक हिन्दी तथा पत्रकारिता प्रशिक्षण	100
चतुर्थ प्रश्न पत्र	–	विशेष रचनाकारों में कोई एक (कबीर, सूर, तुलसी, प्रेमचन्द, रामचन्द्र शुक्ल) अथवा लोक साहित्य अथवा साहित्यिक निबन्ध अथवा लघु शोध प्रबन्ध (एम0ए0 पूर्वार्द्ध में 55% अंक प्राप्तकर्ता ही अर्ह)	100
पंचम प्रश्न पत्र	–	मौखिक परीक्षा	100
			योग 500

महायोग – 1000

एम०ए० पूर्वार्द्ध (हिन्दी साहित्य)

प्रथम प्रश्न-पत्र

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

पूर्णांक–100

पाठ्य विषय–

1. **चंदबरदायी** – पृथ्वीराज रासो (सं0 आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं डॉ0 नामवर सिंह) का 'पद्मावती' समय अथवा

   विद्यापति – विद्यापति पदावली (सं0 रामवृक्ष बेनीपुरी) पद सं0 (वन्दना–1, प्रेम प्रसंग–28, 31, 33, 34, 38, कौतुक– 101, 103, 105, 106, बसन्त–174, 175, 176, विरह–187, 188, 191, 195, 199, 200, 202, 205, 209, 216, 218)

2. **कबीर** – कबीर ग्रन्थावली (सं0 श्यामसुन्दर दास), विभिन्न अंगों से चयनित एक सौ साखियाँ तथा पचीस पद (साखियॉ और पद बाद में विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराये जायेंगे)

3. **जायसी** – पद्मावत (सं0 रामचन्द्र शुक्ल), 'षड्ऋतु वर्णन' एवं 'नागमती वियोग' खण्ड

4. **सूरदास** – भ्रमरगीत सार (सं0 रामचन्द्र शुक्ल) प्रारम्भिक 1 से 50 पद

5. **तुलसीदास** – रामचरितमानस (गीता प्रेस), अयोध्या काण्ड–185वें दोहे से अन्त तक

6. **घनानन्द** – घन आनन्द कवित्त (स0 आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र), घन आनन्द कवित्त भाग–1 के प्रारम्भिक 25 छंद

   अथवा

   बिहारीलाल – बिहारी रत्नाकर (सं0 जगन्नाथ रत्नाकर) आरम्भ के एक सौ दोहे

द्रुतपाठ– निम्नलिखित दस कवियों का अध्ययन अपेक्षित है। इनमें से किन्हीं पॉच पर लघु–उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे– सरहपाद, गोरखनाथ, हेमचंद, अब्दुर्रहमान, मीराबाई, रहीम, देव, सेनापति, पद्माकर, गुरु गोविन्द सिंह।

अंक विभाजन

3 व्याख्यायें	:	3 × 10 = 30
2 आलोचनात्मक प्रश्न	:	2 × 15 = 30
5 लघु उत्तरीय प्रश्न (विश्लेषणात्मक)	:	5 × 4 = 20
5 लघु उत्तरीय प्रश्न (निबंधात्मक)	:	5 × 4 = 20
	योग –	**100**

सन्दर्भ/उपयोगी पुस्तकें–

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, आ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, पटना।
2. कबीर, आ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय, पीताम्बर दत्त बडथ्वाल, लखनऊ।
4. कबीर की विचारधारा, गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर।
5. कबीर . एक नई दृष्टि, रघुवंश, इलाहाबाद।
6. कबीर, विजयेन्द्र स्नातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. कबीर का रहस्यवाद, रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
8. कबीर का अनुशीलन, रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
9. विद्यापति, डॉ0 शिव प्रसाद सिंह, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
10. महाकवि विद्यापति : स्थापना और विवेचन, डॉ0 कृष्णनन्दन 'पीयूष', सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।
11. विद्यापति : युग और साहित्य, डॉ0 अरविन्द नारायण सिन्हा, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा।
12. विद्यापति ठाकुर, शिवनन्दन ठाकुर।
13. विद्यापति अनुशीलन (भाग–1 व 2), डॉ0 वीरेन्द्र श्रीवास्तव, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।
14. चंदबरदायी ओर उनका काव्य, डॉ0 विपिन बिहारी त्रिवेदी, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद।
15. रासो साहित्य और पृथ्वीराज रासो, नरोत्तम स्वामी, भारती विद्यामन्दिर, बीकानेर।

16. पद्मावती समय, डॉ0 विश्वनाथ गौड, साहित्य निकेतन, कानपुर।
17. जायसी, विजयदेव नारायण साही– इलाहाबाद।
18. पद्मावत (सं0) वासुदेव शरण अग्रवाल, झाँसी।
19. हिन्दी सूफी काव्य भूमिका, रामपूजन तिवारी
20. जायसी पद्मावत : काव्य और दर्शन, गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर।
21. सूफी संत साहित्य का उद्भव विकास, जयबहादुर लाल, साहित्य निकेतन, कानपुर।
22. पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य, नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
23. मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य, शिवसहाय पाठक, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
24. उत्तर भारत के निर्गुण पंथ साहित्य का इतिहास, डॉ0 विष्णुदत्त 'राकेश', साहित्य भवन, इलाहाबाद।
25. जायसी काव्य में इस्लामी तत्व, जरीना रहमत, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
26. हिन्दी और फारसी सूफी काव्य– श्याम मनोहर पाण्डेय, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
27 सूर साहित्य, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
28. सूरदास और उनका साहित्य, हरबंश लाल शर्मा
29. सूरदास और उनका काव्य, गोवर्धन लाल शुक्ल
30. मध्ययुगीन हिन्दी, भक्ति काव्य का विवेचन, गिरधर प्रसाद शर्मा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
31. देव के काव्य में अभिव्यक्ति विधान, राज बुद्धिराजा. तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
32. रीतिकालीन श्रृंगारिक सतसइयों का तुलनात्मक अध्ययन, पुष्पलता, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
33 महाकवि घनानन्द, राजा बुद्धिराजा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
34. बिहारी काव्य का अभिनव मूल्यांकन, किशोरी लाल, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
35. महाकवि सूरदास, नन्द दुलारे बाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

36. हिन्दी रीतित साहित्य, भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
37. मध्यकालीन हिन्दी मुक्तम : उद्‌भव और विकास, जितेन्द्रनाथ पाठक, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
38. तुलसी, उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
39 विश्वकवि तुलसीदास, राम प्रसाद मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
40. लोकवादी तुलसीदास, विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
41. गोस्वामी तुलसीदास, रामचन्द्र शुक्ल, काशी नागरी प्रचारिणी सभा।
42. तुलसीदास, मदन गोपाल गुप्त, सेतु प्रकाशन, झॉसी।
43 तुलसी आधुनिक वातायन से, रमेश कुन्तल मेघ, भारतीय ज्ञानपीठ
44. बिहारी, विख्श्वनाथ प्रसाद मिश्र
45. बिहारी, रामसागर त्रिपाठी
46. बिहारी और उनका साहित्य, हरबंशलाल शर्मा
47. कवित्रयी (बिहारी, देव, घनानन्द), गिरीश चन्द्र तिवारी, पुस्तक प्रचार, दिल्ली।
48. बिहारी और घनानन्द, परमलाल गुप्ता
49. बिहारी, भगीरथ मिश्र, सेतु प्रकाशन, झॉसी।
50. घनानन्द और स्वच्छन्द काव्यधारा, मनोहर लाल गौड़, काशी नागरी प्रचारिणी सभा
51. घन आनन्द, कृष्ण चन्द्र शर्मा, रवीन्द्र प्रकाशन, ग्वालियर
52. मध्यकालीन भक्ति आन्दोलन का सामाजिक विवेचन, सुमन शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
53. देव और उनकी कविता, डॉ0 नगेन्द्र
54. सेनापति कवित्त रत्नाकर, (सं0) उमाशंकर शुक्ल
55. भूषण और उनका साहितय, राजकमल वोरा
56. घनानन्द : काव्य और आलोचना, किशेरी लाल, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
57. मीरा का काव्य, भगवानदास तिवारी, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
58. संक्षिप्त भूषण, भगवानदास तिवारी, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
59. हमारे कवि, राजेन्द्र सिंह गौड़, साहित्य भवन, इलाहाबाद।

60. तुलसी रसायन, भगीरथ मिश्र, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
61. भ्रमरगीत का काव्य सौन्दर्य, सत्येन्द्र पारीक।
62. सूर का भ्रमरगीतसार, राजनाथ शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा।
63. सूर की साहित्य साधना, भगवत स्वरूप मिश्र
64. भारतीय साधना और सूर साहित्य, मुंशीराम शर्मा
65. भ्रमरगीत का काव्य सौन्दर्य, सत्येन्द्र
66. सूर की काव्य कला, मनमोहन गौतम
67. भ्रमरगीत का काव्य वैभव, मनमोहन गौतम
68. गुरु गोविन्द सिंह और उनका काव्य, महीप सिंह।

एम०ए० पूर्वार्द्ध (हिन्दी साहित्य)

द्वितीय प्रश्न-पत्र

भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

पूर्णांक–100

खण्ड–क

पाठ्य विषय–

- **भाषा और भषा विज्ञान** – भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना और भाविक प्रकार्य। भाषा विज्ञान : स्वरूप और व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ, वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

- **स्वन प्रक्रिया** – स्वन विज्ञान का स्वरूप ओर शाखाएँ, वागवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा ओर स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिक परिवर्तन। स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण

- **व्याकरण** – रूप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद : मुक्त, आबद्ध, अर्थदर्शी और सम्बन्धदर्शी, रूपिम के भेद और प्रकार्य। वाक्य की अवधारणा, अभिहितान्यवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, निकट–अवयव विश्लेषण, गहन संरचना और बाह्य सरचना।

- **अर्थ विज्ञान** – अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ परिवर्तन।

- **साहित्य और भाषा विज्ञान** – साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता

खण्ड–ख

- **हिन्दी की ऐतिहासक पृष्ठभूमि** – प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ– वैदिक तथा लौकिक, संस्कृत ओर उसकी विशेषताएँ। मध्यकालीन आर्य भाषाएँ– पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश ओर उनकी विशेषताएँ। आधुनिक भारतीय भाषाएँ और उनका वर्गीकरण।

- **हिन्दी का भौगोलिक विस्तार** – हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाडी और उनकी बोलियॉ। खडी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।

- **हिन्दी का भाषिक स्वरूप** – हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था– खड्य ओर खंड्येतर। हिन्दी शब्द रचना–उपसर्ग, प्रत्यय, मास। रूपरचना–लिंग, वचन, कारक, व्यवस्था के संदर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम विशेषण और क्रिया रूप। हिन्दी वाक्य रचना . पदक्रम और अन्विति।

- **हिन्दी के विविध रूप** – सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम भाषा, संचार भाषा, हिन्दी की सांविधानिक स्थिति।

- **हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएँ** – आँकडा–संसाान और शब्द संसाधन, वर्तनी, शोधक, मशीनी अनुवाद, हिन्दी भाषा शिक्षण

- **देवनागरी लिपि** – विशेषताएँ और मानकीकरण

अंक विभाजन

भाषा विज्ञान (2 आलोचनात्मक प्रश्न)	:	2 × 15 = 30
हिन्दी भाषा (2 आलोचनात्मक प्रश्न)	:	2 × 15 = 30
5 लघु उत्तरीय प्रश्न (विश्लेषणात्मक)	:	5 × 4 = 20
5 लघु उत्तरीय प्रश्न (निबन्धात्मक)	:	5 × 4 = 20
	योग –	100

संदर्भ/उपयोगी पुस्तकें–

1. भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिन्दी, राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. भाषा और समाज, राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. भाषा विज्ञान की भूमिका, देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
4. माध्यम भाषा, मोहन लाल तिवारी
5. भाषा शास्त्र की रूपरेखा, उदय नारायण तिवारी
6. भाषा विज्ञान : रूप और तत्त्व, रामगोपाल शर्मा
7. भाषा विज्ञान और हिन्दी, सरयू प्रसाद अग्रवाल
8 भाषा विज्ञान, किशोरीदास वाजपेयी
9. भाषा विज्ञान, बाबूराम सक्सेना
10. भाषा विज्ञान, मंगलदेव शास्त्री
11. भाषा विज्ञान, श्यामसुन्दर दास
12. भाषा विज्ञान, रामेश्वर दयाल अग्रवाल
13. भाषा विज्ञान, द्वारिका प्रसाद सक्सेना
14. भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी
15. हिन्दी भाषा, भोलानाथ तिवारी
16. हिन्दी भाषा का इतिहास, धीरेन्द्र वर्मा
17. शब्द भूगोल, हीरालाल शुक्ल
18. हिन्दी उद्‌भव विकास रूप, शिवशंकर प्रसाद वर्मा
19. खड़ी बोली, ओकार राही
20. मानक हिन्दी : स्वरूप और संरचना, राम प्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
21. भाषा और भाषिकी, देवीशंकर द्विवेदी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

एम०ए० पूर्वार्द्ध (हिन्दी साहित्य)

तृतीय प्रश्न-पत्र

आधुनिक गद्य साहित्य

पूर्णांक–100

नाटक–

1. चन्द्रगुप्त – जयशंकर प्रसाद
2. ~~आषाढ़ का एक दिन~~ आधे अधूरे – मोहन राकेश

द्रुतपाठ– भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, लक्ष्मीनारायण मिश्र, रामकुमार वर्मा, उपेन्द्रनाथ 'अश्क', लक्ष्मीनारायण लाल

उपन्यास–

1. गोदान – मुंशी प्रेमचन्द
2. मैला आंचल – फणीश्वरनाथ 'रेणु'

द्रुतपाठ– विश्वम्भर नाथ शर्मा 'कौशिक', भगवती चरण वर्मा, प्रताप नारायण श्रीवास्तव, यशपाल, मन्नू भण्डारी, गिरिराज किशोर

निबन्ध संकलन–

बातचीत	–	पं0 बालकृष्ण भट्ट
मानस की धर्मभूमि	–	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
शिरीष के फूल	–	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी समीक्षा का विकास	–	आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी
लोक सरस्वती	–	कुबेरनाथ राय
घायल बसन्त	–	हरशिंकर परसाई

द्रुतपाठ– प्रतापनारायण मिश्र, बालमुकुन्द गुप्त, श्यामसुन्दर दास, शिवपूजन सहाय, सरदार पूर्ण सिंह, विद्यानिवास मिश्र

कहानी संग्रह–

उसने कहा था	–	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
गुण्डा	–	जयशंकर प्रसाद
कफन	–	प्रेमचन्द
पत्नी	–	जैनेन्द्र

गुलकी बन्नो – धर्मवीर भारती

पिक्चर पोस्टकार्ड – निर्मल वर्मा

सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती

द्रुतपाठ– बंग महिला, पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र', रांगेय राघव, शिव प्रसाद सिंह, भीष्म साहनी, भगवती प्रसाद वाजपेयी

जीवनी, संस्मरण एवं यात्रा साहित्य–

आवारा मसीहा– विष्णु प्रभाकर

अथवा

पथ के साथी– महादेवी वर्मा

द्रुतपाठ,

1.	प्रेमचन्द : कलम का सिपाही	–	अमृत राय
2.	उत्तरयोगी	–	शिव प्रसाद सिंह
3	क्या भूलूं क्या याद करूँ	–	डॉ0 हरिवंश राय बच्चन
4.	घुमक्कड़शास्त्र	–	राहुल सांकृत्यायन
5.	साहित्य देवता	–	माखनं लाल चतुर्वेदी
6.	जेल जीवन की झलक	–	गणेश शंकर विद्यार्थी

अंक विभाजन

3 व्याख्यात्मक प्रश्न	:	3 × 10 = 30
5 लघुत्तरीय प्रश्न (विश्लेषणात्मक)	.	5 × 4 = 20
5 लघु उत्तरीय प्रश्न (निबंधात्मक)	:	5 × 4 = 20
2 आलोचनात्मक प्रश्न	:	2 × 15 = 30
	योग –	**100**

संदर्भ/उपयोगी पुस्तकें–

1 हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहास, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

2. छायावादोत्तर हिन्दी गद्य साहित्य, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, दिल्ली।

3. चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' : व्यक्तित्व एवं कृतित्व, पीयूष गुलेरी, दिल्ली।
4. शान्ति निकेतन से शिवालिक, शिव प्रसाद सिंह (सं0), दिल्ली।
5. जैनेन्द्र के विचार, प्रभाकर माचवे, दिल्ली।
6. प्रतिनिधि हिन्दी निबन्धकार, विभुराम मिश्र, इलाहाबाद।
7. निर्मल वर्मा, (सं0) अशोक बाजपेयी, दिल्ली।
8. साहित्य सहचर, आ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, इलाहाबाद।
9. हिन्दी नाटक, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
10. नाटककार जयशंकर प्रसाद, सत्येन्द्र तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
11. हिन्दी की महिला उपन्यासकारों की मानवीय संवेदना, ऊषा यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली।
12. प्रेमचन्दं, राम विलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली।
13. प्रेमचन्द, नन्द दुलारे वाजपेयी
14. मोहन राकेश : रंग शिल्प और प्रदर्शन, जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली।
15. पं0 बालकृष्ण भट्ट : व्यक्तित्व, कृतित्व, मधुकर भट्ट, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली।
16. प्रेमचन्द : एक विवेचन, इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली।
17. हरशिंकर परसाई : व्यंग्य की वैचारिक पृष्ठभूमि, राधेमोहन शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली।
18. नयी कहानी में आंचलिक तत्त्व, डॉ0 निरुपमा अशोक, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ।
19. मन्नू भण्डारी का कथा साहित्य, डॉ0 बीनारानी गुप्ता, संभावना प्रकाशन, हापुड़
20. प्रसाद के नाटक : रचना और प्रक्रिया, जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
21. प्रसाद के तीन ऐतिहासिक नाटक, राजेश्वर प्रसाद अर्गल, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
22. देश के इस दौर में (परसाई के व्यंग्य, निबंधों की विवेचना), विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

23. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
24. भगवती प्रसाद बाजपेयी की उपन्यास कला, डॉ0 बालगोविन्द द्विवेदी, आशीष प्रकाशन, कानपुर।
25. हिन्दी साहित्य के पुरोधा, पं0 विश्वम्भर नाथ शर्मा 'कौशिक', नीलाम्बर कौशिक, विकास प्रकाशन, कानपुर।
26. जेल जीवन की झलक, गणेश शंकर विद्यार्थी (सं0) बलराम, साहित्य प्रचारक, नई दिल्ली।
27. गणेश शंकर विद्यार्थी : जीवन, कर्म और बलिदान, (सं0) डॉ0 आनन्द शुक्ला, ज्ञानोदय प्रकाशन, कानपुर।
28. भगवती प्रसाद बाजपेयी के गद्य साहित्य का अनुशीलन, सुमंगला मुम्मिगट्टी, अमन प्रकाशन, कानपुर।
29. रेणु का है अन्दाजे बयां और, भारत यायावर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

एम०ए० पूर्वार्द्ध (हिन्दी साहित्य)

चतुर्थ प्रश्न-पत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास

पूर्णांक–100

पाठ्य विषय–

- इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास . काल विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण।
- हिन्दी साहित्य : आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो–काव्य, जैन–साहित्य।
- हिन्दी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियॉं, काव्यधाराएँ, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनायें।
- पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक–चेतना एवं भक्ति आन्दोलन, विभिन्न काव्यधाराएँ तथा उनका वैशिष्ट्य।
- प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान।
- भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्यग्रन्थ, समफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोक जीवन के तत्त्व।
- राम एवं कृष्ण काव्य, राम–कृष्ण काव्येत्तर काव्य, भक्तीतर काव्य, प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य। भक्तिकालीन गद्य साहित्य।
- उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल–सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण–ग्रन्थों की परम्परा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त) प्रवृत्तियाँ, और विशेष्तमाएँ, रचनाकार और रचनायें। रीततिकालीन गद्य साहित्य।
- आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 ई0 की राजक्रान्ति और पुनर्जागरण।
- भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
- द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

- हिन्दी स्वच्छंदतावादी चेतना का अग्रिम विकास–छायावादी काव्य : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ ओर साहित्यिक विशेषताएँ।
- उत्तर छायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तियॉ– प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत, समकालीन कविता। प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ ओर साहित्यिक विशेषताएँ।
- हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज आदि) का विकास।
- हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास।
- दक्खिनी हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त परिचय।
- उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय।
- हिन्दीतर क्षेत्रों तथा देशान्तर में हिन्दी भाषा और साहित्य।

अंक विभाजन

4 आलोचनात्मक प्रश्न	:	4 × 15 = 60
5 लघु उत्तरीय प्रश्न (निबंधात्मक)	:	5 × 4 = 20
5 विश्लेषणात्मक प्रश्न	:	5 × 4 = 20
	योग –	**100**

संदर्भ/उपयोगी पुस्तकें–

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास, रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

2. हिन्दी साहित्य का वृहद इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

3. हिन्दी साहित्य की भूमिका, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

4 हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, गणपति चन्द्र गुप्त

5. हिन्दी साहित्य का समलोचनात्मक इतिहास, राम कुमार वर्मा

6. हिन्दी साहित्य, धीरेन्द्र वर्मा

7. हिन्दी काव्यधारा, राहुल सांकृत्यायन

8. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, नन्द दुलारे वाजपेयी, इलाहाबाद।

9. हिन्दी साहित्य का इतिहास, डा0 नगेन्द्र एवं गुप्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
10. हिन्दी साहित्य का उत्तर मध्यकाल–रीतिकाल, महेन्द्र कुमार, नेशनल पब्लिशिग हाउस, दिल्ली।
11. हिन्दी साहित्य का उद्भव, वासुदेव सिह, हिन्दी प्रचारक संस्थान
12 आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका, राममूर्ति त्रिपाठी, मध्य प्रदेश ग्रन्थ अकादमी।
13. हिन्दी साहित्य का इतिहास, लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय
14. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, नामवर सिंह
15. हिन्दी साहित्य का आद्यन्त इतिहास, मोहन अवस्थी
16. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ, शिव कुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
17. हिन्दी साहित्य का वस्तुपरक इतिहास (दोनो भाग), राम प्रसाद मिश्र, सत्साहित्य भण्डार, अशोक विहार दिल्ली।
18. हिन्दी साहित्य और संवेदना का इतिहास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
19. हिन्दी साहित्य का इतिहास, रमेश चन्द्र शर्मा, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
20. हिन्दी गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
21 आधुनिक हिन्दी गद्य, खेल चन्द्र आनन्द, सूर्य प्रकाशन, दिल्ली।
22. भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा, राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
23. भारतेन्दु साहित्य की भूमिक, राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
24. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्यायें, राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
25. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण, राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
26. आधुनिकता और हिन्दी साहित्य, इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
27. आधुनिक हिन्दी कविता, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

28. समकालीन हिन्दी कविता, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
29. हिन्दी रीति साहित्य, भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
30. हिन्दी आलोचना, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
31. हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ, सुरेश चन्द्र गुप्त, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
32. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास, डॉ0 सुमन राजे
33. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, डॉ0 राम स्वरूप चतुर्वेदी
34. हिन्दी साहित्य . युग और प्रवृत्तियॉ, डॉ0 शिव कुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
35. हिन्दी राष्ट्रीय काव्यधारा के अल्पज्ञात कवि, डॉ0 सुधांशु किशोर मिश्र, विद्या प्रकाशन, कानपुर

एम०ए० पूर्वार्द्ध (हिन्दी साहित्य)

पंचम प्रश्न-पत्र

भारतीय साहित्य

पूर्णांक–100

पाठ्य विषय–

प्रथम खण्ड

- भारतीय साहित्य का स्वरूप।
- भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।
- भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब।
- भारतीयता का समाजशास्त्र।
- हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।

द्वितीय खण्ड

इसके अन्तर्गत हिन्दीतर साहित्य का अध्ययन अपेक्षित है जो तीन वर्गों में विभाजित है–

- **दक्षिणात्य भाषा वर्ग–** तमिल, तेलगु, कन्नड, मलयालम।
- **पूर्वांचल भाषा वर्ग–** बंगला, उडिया, असमिया, मणिपुरी।
- **पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग–** मराठी, गुजराती, पंजाबी, कश्मीरी, उर्दू।

निर्देश :

(1) प्रत्येक विद्यार्थी उपर्युक्त तेरह भाषाओ मे से एक भाषा का चयन करेगा बशर्ते वह भाषा उसकी अपनी क्षेत्रीय भाषा से भिन्न भाषा वाले वर्ग से हो।

(2) चयनित भाषा के साहित्य के इतिहास का अध्ययन करेगा।

तृतीय खण्ड

इसमें चयनित भाषा के भाषा व साहित्य के साथ हिन्दी भाषा व साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन अपेक्षित है।

चतुर्थ खण्ड

निम्नलिखित कृतियों का अध्ययन अपेक्षित है। इनसे आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे–

- **उपन्यास–** अग्निगर्भ, महाश्वेता देवी (अनूदित), राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

- **कविता संग्रह**– वर्षा की सुबह, श्रीकान्त महापात्र (अनूदित), राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
- **नाटक**–हयवदन, गिरीश कर्नाड (अनूदित), राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

अंक विभाजन

4 आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक खण्ड से एक–एक)	:	4 × 15 = 60
5 लघु उत्तरीय प्रश्न (निबंधात्मक)	:	5 × 4 = 20
5 लघु उत्तरीय प्रश्न (विश्लेषणात्मक)	:	5 × 4 = 20
	योग –	**100**

संदर्भ/उपयोगी पुस्तकें–

1. इन्द्रप्रस्थ भारती का भारतीय साहित्य विशेषांक, जुलाई–सितम्बर 2002, हिन्दी अकादमी, दिल्ली।
2. आज का भारतीय साहित्य, साहित्य अकादमी, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली।
3. भारतीय साहित्य की भूमिका, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

एम०ए० उत्तरार्द्ध (हिन्दी साहित्य)

प्रथम प्रश्न-पत्र

आधुनिक हिन्दी काव्य

पूर्णांक–100

पाठ्य विषय–

- व्याख्या एवं विवेचन हेतु–

1. **मैथिलीशरण गुप्त** – साकेत का नवम् सर्ग
2. **जयशंकर प्रसाद** – कामायनी (श्रद्धा. इड़ा, लज्जा)
3. **सुमित्रा नंदन पंत** – परिवर्तन, हिमाद्रि, मौन निमंत्रण, अलमोडे का वसंत,
4. **सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'** – राम की शक्ति पूजा, तुलसीदास के प्रारम्भिक दस छंद एवं कुकुरमुत्ता
5. **महादेवी वर्मा** – वे मुस्काते फूल नहीं, फिर विकल है प्राण मेरे, पंथ होने दो अपरिचित, बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, क्या पूजन क्या अर्चन रे, यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो, धीरे–धीरे उतर क्षितिज से, रूपसि तेरा घन–केश–पाश
6. **रामधारी सिंह 'दिनकर'** – उर्वशी का तीसरा अंक
7. **सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'** – कलगी बाजरे की, मैं कवि हूँ, कन्हाई ने प्यार किया, साम्राज्ञी का नैवेद्य दान, बना दे चितेरे, कितनी नावों मे कितनी बार, असाध्य वीणा
8. **गजानन माधव 'मुक्तिबोध'** – 'अंधेरे में'

- **द्रुतपाठ**– निम्नलिखित दस कवि निर्धारित है। इनमे से किन्हीं पॉच पर लघु–उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे–

हरिऔध, रत्नाकर, नवीन, नरेश मेहता, रघुवीर सहाय, कुँवर नारायण, जगदीश गुप्त, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, शंभूनाथ सिंह, वीरेन्द्र मिश्र,

अंक विभाजन

3 व्याख्यायें	:	3 × 10 = 30
2 आलोचनात्मक प्रश्न	:	2 × 15 = 30
5 लघु उत्तरीय प्रश्न (निबंधात्मक)	:	5 × 4 = 20
5 लघु उत्तरीय प्रश्न (विश्लेषणात्मक)	:	5 × 4 = 20
	योग –	100

संदर्भ/उपयोगी पुस्तकें–

1. साकेत के नवम सर्ग का काव्य वैभव, कन्हैया लाल सहगल, विवेक प्रकाशन, आगरा।
2. पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण, रामधारी सिंह दिनकर
3. मैथिलीशरण गुप्त, आनन्द प्रकाश दीक्षित
4 साकेत : एक अध्ययन, डॉ0 नगेन्द्र
5 साकेत सौरभ, नगीन चन्द्र सहल
6. साकेत · विचार और विश्लेषण, वचनदेव कुमार
7. साकेत में काव्य, संस्कृति, दर्शन, द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
8. महादेवी : नया मूल्यांकन, डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त
9. प्रसाद का काव्य, प्रेमशंकर
10 प्रसाद की कविता, भोलानाथ तिवारी, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
11. प्रसाद, नन्द दुलारे वाजपेयी
12. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ, डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिग हाउस, दिल्ली–6
13 पंत का काव्य, डॉ0 उपेन्द्र, हिमालय प्रकाशन, दिल्ली।
14. पंत का काव्य, प्रेमलता वाफना
15. सुमित्रानंदन पंत, शचीरानी गुर्टू
16. पंत : एक अध्ययन, डा0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली–6

17. कवियों में सौम्य संत, 'बच्चन'
18. पंत की काव्य साधना, डॉ0 रमेश शर्मा एवं अवस्थी, साहित्य निकेतन, कानपुर
19. पंत जी का नूतन काव्य और दर्शन, विश्वम्भरनाथ उपाध्याय
20. निराला की साहित्य साधना (भाग–2), राम विकास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
21. युगकवि निराला, (सं0) राममूर्ति शर्मा, साहित्य निकेतन, कानपुर।
22. युगकवि निराला, (सं0) लहरी रजनीकान्त, उन्नाव
23. निराला की काव्य साधना, वीणा शर्मा
24. निराला का काव्य, डॉ0 उपेन्द्र, हिमालय प्रकाशन, दिल्ली।
25. निराला, इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
26. युगचारण दिनकर, सावित्री सिन्हा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
27. अज्ञेय का रचना संसार, रामस्वरूप चतुर्वेदी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
28. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या, रामस्वरूप चतुर्वेदी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
29. कविता यात्रा : रत्नाकर से रघुवीर सहाय, रामस्वरूप चतुर्वेदी, राधाकृष्णं प्रकाशन, दिल्ली।
30. अज्ञेय : विचार और कविता, राजेन्द्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
31. मुक्तिबोध की काव्य चेतना और मूल्य सकल्प– हुकुमचन्द राजपाल
32. सर्वेश्वर और उनकी कविता, कृष्णदत्त पालीवाल
33. नई कविता की चेतना, जगदीश कुमार
34. नई कविता और अस्तित्ववाद, राम विलास शर्मा
35. कविता के नये प्रतिमान, नामवर सिंह
36. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर, संतोष कुमार तिवारी
37. छायावादोत्तर हिन्दी कविता : प्रमुख प्रवृत्तिया, त्रिलोचन पाण्डेय
38. समकालीन हिन्दी कविता, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
39. छायावादी कवियों की गीत सृष्टि, डॉ0 उपेन्द्र, कानपुर
40. नया काव्य, नए मूलय, डॉ0 ललित शुक्ल, दिल्ली।

41. नई कविता : स्वरूप और समस्याएँ, डॉ0 जगदीश गुप्त, दिल्ली
42. नई कविता में उदात्त तत्त्व, डॉ0 राकेश शुक्ल, आशीष प्रकाशन, कानपुर
43. नई कविता और आद्य बिम्ब, डॉ0 कृष्णमुरारि मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
44 कविता से साक्षात्कार, मलयज
45 नई कविता की मानक कृतियॉ, डॉ0 जीवन प्रकाश जोशी, सन्मार्ग प्रकाशन, नई दिल्ली
46. असाध्य वीणा और अज्ञेय, रमेश चन्द्र शाह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
47. समकालीन कविता के तीन पडाव, डॉ0 हुकुम चन्द राजपाल, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली
48. नई कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबंध, मुक्तिबोध, विश्वभारती प्रकाशन, नागपुर
49. नई कविता की रचना प्रक्रिया, डॉ0 ओम प्रकाश अवस्थी, पुस्तक संस्थान, कानपुर
50. रघुवीर सहाय (विनिबंध), डॉ0 पंकज चतुर्वेदी, साहित्य अकादमी, नई दिल्लीं

एम०ए० उत्तरार्द्ध (हिन्दी साहित्य)

द्वितीय प्रश्न-पत्र

काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन

पूर्णांक–100

पाठ्य विषय–

(खण्ड–क)

भारतीय काव्यशास्त्र : काव्य के लक्षण, काव्य के हेतु, काव्य के प्रयोजन, काव्य के प्रकार।

- **रस सिद्धान्त–** रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग, साधरणीकरण, सौंदर्य की अवधारणा।
- **अलंकार सिद्धान्त–** मूल स्थापनाएँ, अलंकारो का वर्गीकरण।
- **रीति सिद्धान्त–** रीति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वकोक्ति एव अभिव्यंजनावाद
- **वक्रोक्ति सिद्धान्त–** वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एव अगिव्यंजनावाद
- **ध्वनि सिद्धान्त–** ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य, चित्र काव्य।
- **औचित्य सिद्धान्त–** प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।

(खण्ड–ख)

पाश्चात्य काव्य शास्त्र

- **प्लेटो** – काव्य सिद्धान्त
- **अरस्तू** – अनुकरण सिद्धान्त, त्रासदी विवेचन
- **लॉजाइनेस** – उदात्त की अवधारणा
- **ड्राइडन** – ड्राइडन के काव्य सिद्धान्त
- **वर्ड्सवर्थ** – काव्य भाषा का सिद्धान्त
- **कॉलरिज** – कल्पना सिद्धान्त और ललित कल्पना

- **मैथ्यू आर्नल्ड** – आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
- **टी0एस0 इलियट** – परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकरण का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य।
- **आई0ए0 रिचर्ड्स** – रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना
- **सिद्धान्त और वाद** – आभिजात्यवाद, स्वच्छन्दतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण तथा अस्तित्ववाद

आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ– संरचनावाद, शैली–विज्ञान, विखण्डनवाद, उत्तर आधुनिकतावाद।

(खण्ड – ग)

हिन्दी कवि–आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिन्तन

- लक्षण–काव्य–परम्परा एवं कवि शिक्षा।

हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

- शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी, शैली वैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय

व्यवहारिक समीक्षा

- प्रश्न–पत्र में पूछे गये किसी काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार समीक्षा।

अंक विभाजन

भारतीय काव्यशास्त्र पर दो आलोचनात्मक प्रश्न	:	2 × 15 = 30
पाश्चात्य काव्यशास्त्र पर दो आलोचनात्मक प्रश्न	:	2 × 15 = 30
हिन्दी कवि आचार्यों के काव्यशास्त्रीय चिंतन से एक प्रश्न	:	1 × 15 = 15
5 लघु उत्तरीय प्रश्न (समस्त पाठ्यक्रम जिसमें एक प्रश्न काव्यांश की समीक्षा से सम्बन्धित होगा)	:	5 × 5 = 25
	योग –	**100**

संदर्भ/उपयोगी पुस्तकें–

1. साहित्यालोचन, श्यामसुन्दर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. काव्यशास्त्र, भगीरथ सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, भगीरथ सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. पौरस्त्य एव पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त, रामदत्त शर्मा, देवनागर प्रकाशन, जयपुर।
5. काव्य निर्णय, हरिश्चन्द्र दीक्षित, बिठूर, कानपुर।
6. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका (दोनो भाग), डॉ0 नगेन्द्र, ओरिएण्टल बुक डिपो, दिल्ली।
7. काव्य में उदात्त तत्त्व, डॉ0 नगेन्द्र, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।
8. पश्चिमी काव्यशास्त्र, लक्ष्मीशंकर वार्ष्णेय, हिन्दी समिति (सूचना विभाग), उत्तर प्रदेश।
9. समीक्षाशास्त्र, दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, ल्ली।
10. रस एव ध्वनि तत्त्व : सैद्धान्तिक अध्ययन, आशा कपूर, साहित्य निकेतन, कानपुर।
11. इलियट का काव्यशास्त्र, ओउम् प्रकाश अवस्थी, साहित्य निलय, नौबस्ता, कानपुर।
12. कला और साहित्य, प्रकाशन विभाग, सूचना प्रसारण मंत्रालय, दिल्ली–6
13. सिद्धान्त और अध्ययन, गुलाबराय, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली।
14 काव्य के रूप, गुलाबराय, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली।
15. भारतीय काव्यशास : नए संदर्भ, राममूर्ति त्रिपाठी, हिमालय पाकेट बुक्स, दिल्ली।
16. कार्ल मार्क्स : कला और साहित्य चिन्तन, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
17. इतिहास और आलोचना, नामवर सिह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
18. समीक्षा की समस्याएँ, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
19 हिन्दी आलोचना, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
20. हिन्दी आलोचना की बीसवीं सदी, निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

21. पाश्चात्य साहित्य चिन्तन, निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
22. हिन्दी काव्यशास्त्र, शान्तिलाल 'वालेन्दु' साहित्य भवन, इलाहाबाद।
23. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त, डॉ0 अलका द्विवेदी, ज्ञानोदय प्रकाशन, कानपुर।

एम०ए० उत्तरार्द्ध (हिन्दी साहित्य)

तृतीय प्रश्न-पत्र

प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं पत्रकारिता प्रशिक्षण

पूर्णांक–100

खण्ड–क

- **हिन्दी के विविध रूप** : सृजनात्मक भाषा, संचार भाषा, माध्यम भाषा, राजभाषा, मातृभाषा, राष्ट्रभाषा
- **कार्यालयी हिन्दी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य** : प्रारूपण, पत्र,लेखन, संक्षेपण, पल्लवन्, टिप्पणी, प्रशासनिक शब्दावली और प्रयुक्तियॉ।
- **हिन्दी संगणन (कम्प्यूटिंग)**
  1. संगणक (कम्प्यूटर) : परिचय, उपयोग, उपकरण, लेखन से सम्बन्धित कार्यक्रम (साफ्टवेयर), यूनिकोड और अन्य फॉन्ट
  2. इण्टरनेट/अन्तरताना, संकल्पना, सुविधा और उपयोग
  3. हिन्दी के प्रमुख पोर्टल, वेबपटल, ई,पत्रिकाएँ और अन्तरताना पर हिन्दी की दशा, दिशा
- **अनुवाद सिद्धान्त और व्यवहार**
  1. अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, महत्व एवं प्रविधि, अनुवाद के विविध प्रकार
  2. कार्यालयी हिन्दी और अनुवाद, कार्यालयी एव प्रशासनिक शब्दावली और प्रयुक्तियों का अनुवाद
  3. जनसंचार माध्यमों मे अनुवाद
  4. वैज्ञानिक, तकनीकी एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद
  5. सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद
  6. विधि साहित्य की हिन्दी और अनुवाद
  7. बैंक एवं वाणिज्यिक क्षेत्र का अनुवाद
  8. आशु अनुवाद
  9. व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास

खण्ड–ख

मीडिया लेखन एवं पत्रकारिता प्रशिक्षण

- **जनसंचार : प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ,**

  जनसंचार माध्यमों के विविध स्वरूप, प्रकृति और महत्व।

- **श्रव्य माध्यम के लिए लेखन,**

  हिन्दी के विकास में आकाशवाणी का योगदान, श्रव्य संचार के तत्व, श्रव्य माध्यम के मौखिक भाषा की प्रकृति, रेडियो के विविध कार्यक्रम, समाचार लेखन और वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन, फीचर रिपोर्ताज।

- **दृश्य,श्रव्य माध्यम के लिए लेखन,**

  दृश्य श्रव्य माध्यम (फिल्म एवं टेलीविजन) के भाषा की प्रकृति, दृश्य,श्रव्य संचार के तत्त्व, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री में भाषा के साथ गैरभाषिक तत्त्वों का सामंजस्य, टीवी समाचार का पार्श्ववाचन (वायस ओवर), पटकथा लेखन, संवाद लेखन, टेली ड्रामा, डाक्यू ड्रामा। साहित्य विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण, विज्ञापन की भाषा।

- **तकनीकी नवाचारों के लिए ई लेखन,**

  1. सामाजिक माध्यमो (व्हाट्सएप, इन्स्टाग्राम, फेसबुक आदि) पर हिन्दी में संदेश लेखन।
  2. ई–लेखन : पाठ (Text), अंतर्पाठ (Hypertext) और संदर्भ (Reference) का सामंजस्य, बीज शब्द (Key words) की सकल्पना और उपयोग।
  3. ई–पत्र, (e-mail) चिट्ठाकारिता (ब्लॉग), वेब पटल पर प्रकाशन, ई–पत्रिकाओं के लिए लेखन।

- **मुद्रण माध्यम मे लिए लेखन–**

  पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार, हिन्दी पत्रकारिता : उद्‌भव एवं विकास, पत्रकार के कार्य एवं गुण, स्रोत से समाचार प्रकाशन तक की प्रक्रिया का परिचय, समाचार के स्रोत।

  - समाचार लेखन पद्धति, आमुख (इन्ट्रो) के गुण, उल्टे पिरामिड का सिद्धान्त।
  - सम्पादन कला के सामान्य सिद्धान्त,शीर्षकीकरण, पृष्ठ विन्यास, समाचार प्रस्तुति की प्रक्रिया।
  - व्यावहारिक प्रूफ शोधन।
  - साक्षात्कार एवं प्रेस वार्ता।
  - पत्रकारिता संबंधी प्रायोगिक कार्य।

अंक विभाजन

पॉच लघुउत्तरीय प्रश्न (निबन्धात्मक) सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से	:	5 × 4 = 20
पॉच लघुउत्तरीय प्रश्न (विश्लेषणात्मक) सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से	:	5 × 4 = 20
दो विस्तृत उत्तरीय प्रश्न (खण्ड–क से)	:	2 × 15 =30
दो विस्तृत उत्तरीय प्रश्न (खण्ड–क से)	:	2 × 15 =30
योग –		**100**

संदर्भ/उपयोगी पुस्तकें–

1. हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास, जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भूमण्डलीकरण और मीडिया, प्रो0 कुमुद शर्मा, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
3. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, पी0के0 आर्य, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
4. मीडिया विमर्श, रामशरण जोशी, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली
5. सामयिक प्रयोजनमूलक हिन्दी, पृथ्वीनाथ पाण्डेय, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली
6. संचार शोध और मीडिया, विनीता गुप्ता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

7. हिन्दी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास, डॉ0 अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. प्रयोजनमूलक हिन्दी और पत्रकारिता, डॉ0 दिनेश प्रताप सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. साहित्यिक पत्रकारिता, ज्योतिष जोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. प्रयोजनमूलक हिन्दी, डॉ0 पूरनचन्द्र टण्डन
11. प्रयोजनमूलक हिन्दी : संरचना और अनुप्रयोग, डॉ0 राम प्रकाश, डॉ0 दिनेश गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
12. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका, कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
13. मीडिया हूँ मैं, जय प्रकाश त्रिपाठी, अमन प्रकाशन, कानपुर
14. नवजागरण और हिन्दी पत्रकारिता, डॉ0 आनन्द शुक्ल, आशीष प्रकाशन, कानपुर
15. वैश्वीकरण और हिन्दी, डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह, प्रत्यूष पब्लिकेशन, नई दिल्ली
16. हिन्दी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप, कैलाश चन्द्र भाटिया, साहित्य भवन, इलाहाबाद
17. प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी, कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
18. संपादन कला और प्रूफ पठन, डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
19. आधुनिक पत्रकारिता, अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी
20. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता, डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
21 टेलीविजन लेखन, असगर वजाहत, प्रभात रंजन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
22 कम्प्यूटर . सिद्धान्त और तकनीक, राजेन्द्र कुमार 'राजीव', अनिल प्रकाशन, दिल्ली
23. कम्प्यूटर और हिन्दी, हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
24. बेसिक प्रोग्रामिंग, ओम प्रकाश मौर्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक वाराणसी
25. हिन्दी पत्रकारिता और राष्ट्रीय एकता, डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

26. नई पत्रकारिता और समाचार लेखन, सविता चड्ढा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

27. लघु पत्रिकायें और साहित्यिक पत्रिकायें, धर्मेन्द्र गुप्त, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

एम०ए० उत्तरार्द्ध (हिन्दी साहित्य)

चतुर्थ प्रश्न-पत्र (विकल्प)

विकल्प (अ) विशेष रचनाकार

कबीरदास

पूर्णांक–100

पाठ्य विषय–

कबीर ग्रन्थावली – श्याम सुन्दर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

अथवा

कबीर वाङ्मय – डॉ0 जयदेव सिंह एवं डॉ0 वासुदेव सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी

द्रुत पाठ हेतु रमैनी का अध्ययन अपेक्षित है।

अंक विभाजन

तीन व्याख्याएँ	:	3 × 10 = 30
दो आलोचनात्मक प्रश्न	:	2 × 15 = 30
पॉच लघु उत्तरीय प्रश्न (निबंधात्मक)	:	5 × 4 = 20
पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न (विश्लेषणात्मक)	:	5 × 4 = 20
	योग –	**100**

संदर्भ/उपयोगी पुस्तकें–

1. कबीर, आ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. कबीर की विचारधारा, गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर
3. आधुनिक कबीर, राजदेव सिंह
4. उत्तर भारत की संत परम्परा, परशुराम चतुर्वेदी
5. कबीर साहित्य की परख, परशुराम चतुर्वेदी, भारती भण्डार, इलाहाबाद।
6. कबीर बानी, सं0 भगीरथ मिश्र, कमल प्रकाशन, इन्दौर
7. संत कबीर, राम कुमार वर्मा
8. कबीर का रहस्यवाद, राम कुमार वर्मा

9. आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका, डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी
10. कबीर, विजयेन्द्र स्नातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
11. अकथ कहानी प्रेम की (कबीर की कविता और उनका समय), डॉ0 पुरुषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

एम०ए० उत्तरार्द्ध (हिन्दी साहित्य)

चतुर्थ प्रश्न-पत्र (विकल्प)

विकल्प (अ) विशेष रचनाकार

सूरदास

पूर्णांक–100

पाठ्य विषय–

सूरसागर – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

व्याख्या के लिए प्राश्निक निम्नलिखित ग्रन्थ के आधार पर प्रश्न–पत्र बना सकते हैं।

सूरसागर – धीरेन्द्र वर्मा

अथवा

सूर संचयन – मुंशीराम शर्मा 'सोम', रवीन्द्र प्रकाशन, पाटनकर बाजार, ग्वालियर

द्रुत पाठ हेतु सूर सारावली, साहित्य लहरी, सूर, रामचरितावली का अध्ययन अपेक्षित है।

अंक विभाजन

तीन व्याख्याएँ	:	3 × 10 = 30
दो आलोचनात्मक प्रश्न	:	2 × 15 = 30
पॉच लघु उत्तरीय प्रश्न (निबंधात्मक)	:	5 × 4 = 20
पॉच लघु उत्तरीय प्रश्न (विश्लेषणात्मक)	:	5 × 4 = 20
	योग –	**100**

संदर्भ/उपयोगी पुस्तकें–

1. सूरदास, रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. सूर निर्णय, प्रभुदयाल मीतल
3. अष्टछाप और बल्लभ सम्प्रदाय, दीनदयाल गुप्त
4. भक्ति आन्दोलन और सूरकाव्य, मैनेजर पाण्डेय
5. सूरदास और उनका साहित्य, हरबंश लाल शर्मा
6. सूरदास साहित्य, हजारी प्रसाद द्विवेदी

7. सूरदास और उनका काव्य, गोवर्धनलाल शुक्ल
8. सूर सौरभ, मुंशीराम शर्मा, ग्रन्थम प्रकाशन, कानपुर
9. सूर साहित्य : नवमूल्यांकन, रावत चन्द्रभान, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
10. महाकवि सूरदास, जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल, रवीन्द्र प्रकाशन, आगरा
11. सूर का भ्रमरगीत : एक अन्वेषण, विश्वम्भर नाथ उपाध्याय, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
12. सूर की काव्यसाधना, गोविन्द राम शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
13. त्रिवेणी, रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

एम०ए० उत्तरार्द्ध (हिन्दी साहित्य)

चतुर्थ प्रश्न-पत्र (विकल्प)

विकल्प (अ) विशेष रचनाकार

तुलसीदास

पूर्णांक–100

पाठ्य विषय–

व्याख्या के लिए रामचरितमानस (अयोध्याकाण्ड सम्पूर्ण), विनयपत्रिका।

द्रुतपाठ–कवितावली, गीतावली, दोहावली, जानकी मगल, पार्वती मंगल, वैराग्य संदीपनी

अंक विभाजन

तीन व्याख्याएँ	:	3 × 10 = 30
दो आलोचनात्मक प्रश्न	:	2 × 15 = 30
पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न (निबंधात्मक)	:	5 × 4 = 20
पॉच लघु उत्तरीय प्रश्न (विश्लेषणात्मक)	:	5 × 4 = 20
	योग –	100

संदर्भ/उपयोगी पुस्तकें–

1. गोस्वामी तुलसीदास, रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. विनय पत्रिका, वियोगी हरि
3. तुलसी दर्शन, बलदेव प्रसाद मिश्र, इलाहाबाद
4. तुलसी, उदयभानु सिह, दिल्ली
5. रामकाव्य और तुलसी, प्रेमशंकर, दिल्ली
6. लोकवादी तुलसी, विश्वनाथ त्रिपाठी, दिल्ली
7. तुलसी सर्वेक्षण, राम प्रसाद मिश्र, इण्डियन प्रकाशन, डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली
8 तुलसीदास और उनका काव्य, रामनरेश त्रिपाठी, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली
9. तुलसी रसायन, भगीरथ सिंह, साहित्य भवन, इलाहाबाद
10. तुलसी मानस रत्नाकर, भाग्यवती सिंह, सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा।
11. तुलसीदास और उनका काव्य, रामनरेश त्रिपाठी, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।

एम०ए० उत्तरार्द्ध (हिन्दी साहित्य)

चतुर्थ प्रश्न-पत्र (विकल्प)

विकल्प (अ) विशेष रचनाकार

प्रेमचन्द

पूर्णांक–100

पाठ्य विषय–

व्याख्या हेतु– सेवा सदन, कर्मभूमि, रंगभूमि, गबन, निर्मला (ये सभी उपन्यास)।

द्रुतपाठ–मानसरोवर (कहानी संग्रह–आठ भाग), कुछ विचार (निबंध संग्रह)

अंक विभाजन

तीन व्याख्याएँ	:	3 × 10 = 30
दो आलोचनात्मक प्रश्न	:	2 × 15 = 30
पॉच लघु उत्तरीय प्रश्न (कहानी संग्रह से)	:	5 × 4 = 20
पॉच लघु उत्तरीय प्रश्न (निबंध संग्रह से)	:	5 × 4 = 20
	योग –	100

संदर्भ/उपयोगी पुस्तकें–

1. प्रेमचन्द : एक विवेचन, नन्द दुलारे वाजपेई
2. प्रेमचन्द, इन्द्रनाथ मदान
3. कलम का सिपाही, अमृतराय
4. प्रेमचन्द और उनका युग, राम विलास शर्मा
5. प्रेमचन्द की प्रासंगिकता, शिव कुमार मिश्र
6. प्रेमचन्द : जीवन और कृतित्व, हसराज रहबर, दिल्ली
7. प्रेमचन्द कोश, कमल किशोर गोयनका, दिल्ली

एम०ए० उत्तरार्द्ध (हिन्दी साहित्य)

चतुर्थ प्रश्न-पत्र (विकल्प)

विकल्प (अ) विशेष रचनाकार

रामचन्द्र शुक्ल

पूर्णांक–100

पाठ्य विषय–

व्याख्या हेतु– चिन्तामणि भाग–1, 2 तथा 3, त्रिवेणी, विचार–वीथी।

द्रुतपाठ–रस मीमांसा, शशांक (अनूदित उपन्यास), बुद्ध चरित (लाइट ऑफ एशिया का अनुवाद), ग्यारह वर्ष का समय (कहानी), स्फुट कविताएँ, हिन्दी साहित्य का इतिहास

अंक विभाजन

तीन व्याख्याएँ	:	3 × 10 = 30
दो आलोचनात्मक प्रश्न	:	2 × 15 = 30
पॉच लघु उत्तरीय प्रश्न (निबंधात्मक)	:	5 × 4 = 20
पॉच लघु उत्तरीय प्रश्न (विश्लेषणात्मक)	:	5 × 4 = 20
	योग –	100

संदर्भ/उपयोगी पुस्तकें–

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना, राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. चिन्तामणि, सं0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : सिद्धान्त और साहित्य, जयचन्द राय
4. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, शम्भूनाथ पाण्डेय
5 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और चिन्तामणि, कृष्णदेव शर्मा

एम०ए० उत्तरार्द्ध (हिन्दी साहित्य)

चतुर्थ प्रश्न-पत्र (विकल्प)

विकल्प (ब) लोक साहित्य

पूर्णांक–100

पाठ्य विषय–

इस प्रश्नपत्र में सैद्धान्तिक अध्ययन के साथ सम्बन्धित क्षेत्र के लोक साहित्य का गहन अध्ययन अपेक्षित है तथा उससे सम्बन्धित प्रायोगिक कार्य भी।

(खण्ड–क)

- **लोक और लोक**– वार्ता, लोक–वार्ता और लोक–विज्ञान।
- **लोक संस्कृति** : अवधारणा, लोक–वार्ता और लोक संस्कृति, लोक संस्कृति और साहित्य।
- **लोक साहित्य** : अवधारणा, संस्कृत वाङ्मय में लोकोन्मुखता।
- हिन्दी के आरम्भिक साहित्य में लोकतत्व, वर्तमान अभिजात साहित्य और लोक साहित्य का अन्तःसम्बन्ध। लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानो से सम्बन्ध।
- भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास।
- हिन्दी लोक साहित्य के विशिष्ट अध्येता। लोक साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया एव सकलन की समस्यायें।
- लोक साहित्य के प्रमुख रूपो का वर्गीकरण।
- लोक गीत, लोक–नाट्य, लोक–कथा, लोक–गाथा, लोक–नृत्य–नाट्य, लोक–संगीत।
- लोक–गीत– संस्कार–गीत, व्रत–गीत, श्रम–गीत, ऋतु–गीत, जाति–गीत।
- लोक–नाट्य : रामलीला, रासलीला, कीर्तनियॉ, स्वांग, यक्षगान, भवाई संपेड़ा, विदेशिया, माच, भोंड, तमाशा, नौटंकी, जात्र, कथकली।
- हिन्दी लोक–नाट्य की परम्परा एवं विविध, हिन्दी नाटक और रंगमंच पर लोक नाट्यों का प्रभाव।

- लोक कथा– व्रतकथा, परी–कथा, नाग–कथा, बोध कथा, कथानक रूढियॉ अथवा अभिप्राय।
- लोक–गाथा : ढोला–मारू, गोपीचन्द भरथरी, लोरिकायन, नल--दम्यन्ती, लैला–मजनूँ, हीर–रॉझा, सोहनी–महिवाल, लोरिक–चंदा, बगड़ावत, आल्हा–हरदौल।
- लोक–नृत्य–नाट्य।
- लोक–संगीत : लोकवाद्य तथा विशिष्ट लोक धुनें।
- लोक–भाषा : लोक सुभाषित, मुहावरे, कहावतें, पहेलियॉ।

(खण्ड–ख)

निम्नलिखित जनपदीय भाषाओं के लोक–साहित्य में से किसी एक का अध्ययन–

राजस्थानी, भोजपुरी, ब्रज, अवधी, बुन्देलखण्डी, हरियाणवी, खड़ी बोली, कुमाऊँनी, गढ़वाली, छत्तीसगढी, बघेली, मालवी।

अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	.	3 × 15 = 45
पाच लघु उत्तरीय प्रश्न (निबंधात्मक)	.	5 × 4 = 20
दो लघु उत्तरीय प्रश्न (विश्लेषणात्मक)	.	2 × 5 = 10
प्रायोगिक कार्य–		
क्षेत्रीय लोक साहित्य का संकलन	:	= 25
	योग –	100

संदर्भ/उपयोगी पुस्तकें–

1. भारतीय लोक सस्कृति का संदर्भ, गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
2. लोक साहित्य की भूमिका, कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, प्रयाग।
3. हिन्दी के लोक–गीत, महेश प्रताप नारायण अवस्थी, साहित्य भवन, प्रयाग।
4. हिन्दी प्रदेश के लोक–गीत, कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, प्रयाग।
5. भारत में लोक साहित्य, कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, प्रयाग।
6. लोकगीतों में रामकथा (अवधी), किरन मसली, साहित्य भवन, प्रयाग।

7. कुमाऊँनी लोक साहित्य की पृष्ठभूमि, त्रिलोचन पाण्डेय, साहित्य भवन, प्रयाग।
8. लोरिकी, श्याम मनोहर पाण्डेय, साहित्य भवन, प्रयाग।
9. लोक महाकाव्य चनैनी, श्याम मनोहर पाण्डेय, साहित्य भवन, प्रयाग।
10. लोक महाकाव्य लोरिकायन, श्याम मनोहर पाण्डेय, साहित्य भवन, प्रयाग।
11. भोजपुरी लोरिका (दो भाग), श्याम मनोहर पाण्डेय, साहित्य भवन, प्रयाग।
12. भारतीय लोक साहित्य की रूपरेखा, दुर्गा भागवत, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
13. ग्राम–साहित्य, राम नरेश त्रिपाठी
14. लोक साहित्य की सांस्कृतिक परम्परा, मनोहर वर्मा, रोशनलाल जैन एण्ड संस, जयपुर
15 लोक साहित्य विमर्श, श्याम परमार, अजमेर
16 लोक साहित्य · सिद्धान्त और प्रयोग, श्रीराम शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
17. लोक साहित्य और संस्कृति, दिवेश्वर प्रसाद, लोकभारती इलाहाबाद।
18. लोक कथा विज्ञान– श्रीचन्द्र जैन, मंगल प्रकाशन, जयपुर।
19. लोक साहित्य विज्ञान, सत्येन्द्र शिवलाल अग्रवाल एण्ड संस, आगरा
20. लोक नाट्य : परम्परा एवं प्रकृति, महेन्द्र भानावत, बाफना प्रकाशन, जयपुर
21. परम्पराशील नाट्य, जगदीश चन्द्र माथुर
22. संगीत– राम नारायण अग्रवाल, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली
23. लोक गीतों का विकासात्मक अध्ययन, कुलदीप, प्रगति प्रकाशन, आगरा।
24. लोक साहित्य · समीक्षा, कृष्णदेव शर्मा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।

एम०ए० उत्तरार्द्ध (हिन्दी साहित्य)

चतुर्थ प्रश्न-पत्र (विकल्प)

विकल्प (स) साहित्यिक निबन्ध

पूर्णांक–100

आलोक–

परास्नातक हिन्दी के समस्त पाठ्यक्रम से किसी एक विषय पर 100 अंकों का एक निबन्ध निर्धारित समयावधि में लिखना होगा।

एम०ए० उत्तरार्द्ध (हिन्दी साहित्य)

चतुर्थ प्रश्न-पत्र (विकल्प)

विकल्प (द) लघु शोध-प्रबन्ध

पूर्णांक–100

आलोक– छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में यह प्रश्नपत्र पहले से चला आ रहा है। छात्र के अध्ययन क्षेत्र को विस्तृत करने वाले विषय ही विभाग द्वारा निर्देशित किये जायें ताकि आगे चलकर छात्र इन विषयों को विस्तारित कर एम0फिल्. एवं पी–एच0डी0 उपाधि हेतु कार्य कर सकें। इस प्रश्नपत्र के द्वारा छात्र को शोध निर्देशक द्वारा शोध प्रविधि का अपेक्षित ज्ञान कराया जाना भी आवश्यक है। विभाग से अपेक्षा की जाती है कि 'अन्य प्रश्नपत्रों की भांति' की भांति लघु शोध प्रबन्ध के विषय (शीर्षक) पर भी एक बेला (पीरियड) निर्धारित कर शोध प्रविधि के प्रशिक्षण की व्यस्था करे। यह लघु शोध प्रबन्ध लगभग एक सौ टंकित पृष्ठो का होना चाहिए। इसका मूल्यांकन/परीक्षण विषय विशेषज्ञ (परीक्षक) से होना चाहिए।

एम०ए० उत्तरार्द्ध (हिन्दी साहित्य)

पंचम प्रश्न-पत्र

मौखिकी

पूर्णांक–100

(1) मौखिकी

- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधृत होगी।
- परीक्षण की व्यवस्था पूर्ववत् होगी।